



Nilesh

21 Jun 1994

02:30 AM

Gwalior

Model: web-freekundliweb

Order No: 121170106

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 20-21/06/1994
दिन _____: सोम-मंगलवार
जन्म समय _____: 02:30:00 घंटे
इष्ट _____: 52:41:00 घटी
स्थान _____: Gwalior
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:12:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 02:12:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:01:26 घंटे
साम्पातिक काल _____: 20:07:57 घंटे
सूर्योदय _____: 05:25:35 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:12:08 घंटे
दिनमान _____: 13:46:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 05:30:33 मिथुन
लग्न के अंश _____: 18:30:21 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: तुला - शुक्र
नक्षत्र-चरण _____: विशाखा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: सिद्ध
करण _____: कौलव
गण _____: राक्षस
योनि _____: व्याघ्र
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

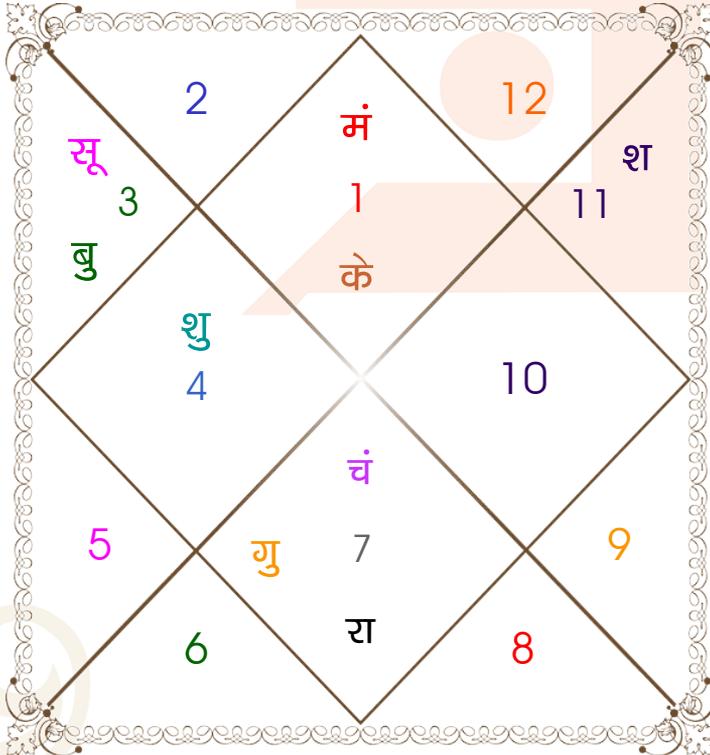
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	18:30:21	437:04:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मिथु	05:30:33	00:57:14	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	सम राशि
चंद्र			तुला	29:45:27	14:42:13	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
मंगल			मेष	26:50:30	00:43:28	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
बुध	व	अ	मिथु	12:22:57	00:30:11	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु	व		तुला	11:10:28	00:02:01	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	12:44:09	01:10:02	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
शनि			कुंभ	18:36:55	00:00:13	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	29:39:08	00:00:00	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	29:39:08	00:00:00	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	01:35:09	00:02:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	28:48:00	00:01:27	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	02:02:01	00:01:19	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मक	06:01:49	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	बुध	--

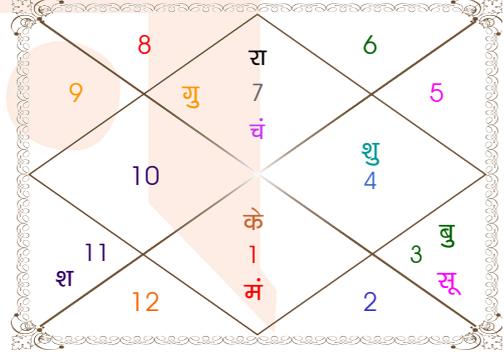
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:01

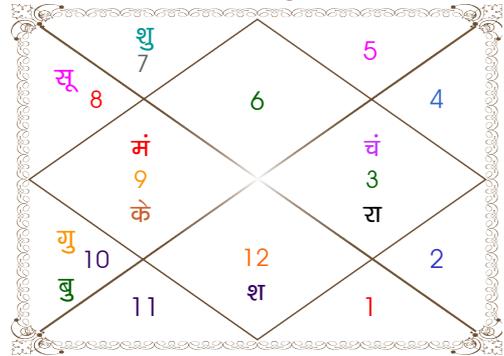
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 3 मास 14 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
21/06/1994	05/10/1998	05/10/2017	05/10/2034	05/10/2041
05/10/1998	05/10/2017	05/10/2034	05/10/2041	05/10/2061
00/00/0000	शनि 08/10/2001	बुध 02/03/2020	केतु 03/03/2035	शुक्र 03/02/2045
00/00/0000	बुध 17/06/2004	केतु 27/02/2021	शुक्र 02/05/2036	सूर्य 03/02/2046
00/00/0000	केतु 27/07/2005	शुक्र 29/12/2023	सूर्य 07/09/2036	चंद्र 05/10/2047
00/00/0000	शुक्र 25/09/2008	सूर्य 04/11/2024	चंद्र 08/04/2037	मंगल 04/12/2048
00/00/0000	सूर्य 07/09/2009	चंद्र 05/04/2026	मंगल 04/09/2037	राहु 05/12/2051
21/06/1994	चंद्र 09/04/2011	मंगल 02/04/2027	राहु 23/09/2038	गुरु 05/08/2054
चंद्र 05/06/1995	मंगल 17/05/2012	राहु 20/10/2029	गुरु 30/08/2039	शनि 05/10/2057
मंगल 11/05/1996	राहु 24/03/2015	गुरु 26/01/2032	शनि 07/10/2040	बुध 04/08/2060
राहु 05/10/1998	गुरु 05/10/2017	शनि 05/10/2034	बुध 05/10/2041	केतु 05/10/2061

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
05/10/2061	05/10/2067	05/10/2077	04/10/2084	06/10/2102
05/10/2067	05/10/2077	04/10/2084	06/10/2102	00/00/0000
सूर्य 22/01/2062	चंद्र 04/08/2068	मंगल 03/03/2078	राहु 18/06/2087	गुरु 23/11/2104
चंद्र 24/07/2062	मंगल 06/03/2069	राहु 21/03/2079	गुरु 10/11/2089	शनि 06/06/2107
मंगल 29/11/2062	राहु 04/09/2070	गुरु 25/02/2080	शनि 16/09/2092	बुध 11/09/2109
राहु 23/10/2063	गुरु 04/01/2072	शनि 05/04/2081	बुध 05/04/2095	केतु 18/08/2110
गुरु 11/08/2064	शनि 05/08/2073	बुध 02/04/2082	केतु 23/04/2096	शुक्र 18/04/2113
शनि 24/07/2065	बुध 04/01/2075	केतु 29/08/2082	शुक्र 24/04/2099	सूर्य 04/02/2114
बुध 30/05/2066	केतु 05/08/2075	शुक्र 29/10/2083	सूर्य 18/03/2100	चंद्र 22/06/2114
केतु 05/10/2066	शुक्र 05/04/2077	सूर्य 05/03/2084	चंद्र 17/09/2101	00/00/0000
शुक्र 05/10/2067	सूर्य 05/10/2077	चंद्र 04/10/2084	मंगल 06/10/2102	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 3 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह ज्ञात हो रहा है कि आपका जन्म मेष लग्न में अर्थात् जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काणा में हुआ था। परिणामस्वरूप यह स्पष्ट हो रहा है कि आप महान भाग्यशाली हैं। प्रसन्नता का विषय यह है कि जब कभी भी संयोग प्राप्त हो मुख्य रूप से लाटरी के टिकट प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त करें ताकि आप शीघ्र ही धनवान बन सकें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप निर्विघ्न आराम देह एवं आनंददायक जीवन व्यतीत करने के लिए पर्याप्त (धन) आय के अतिरिक्त साधन प्राप्त करें ताकि आपका सुखमय जीवन विलास-प्रियता से व्यतीत हो सके।

आप शरीर से दुबले (कृशकाय) कद के मांसल एवं हृष्ट-पुष्ट शरीर वाले संयमी प्राणी हैं। आपकी उन्नत ललाट, सुंदर और आकर्षक आंखें आपके व्यक्तित्व को अपेक्षाकृत सौंदर्य प्रदान कर रहा हैं। यह संभव है कि आपके मस्तक पर कोई पुराने चोट या घाव के चिह्न हों। आपकी संपूर्ण व्यक्तित्व सुंदर और आकर्षक है, जो मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति सुंदरता का केंद्र है। यह संभव है कि आप कामी नारी के आकर्षण में दिशाहीन होकर अपने शयन कक्ष के अतिरिक्त कहीं बाहर कामोत्तक आनंद प्राप्ति का पता लगाकर आनंद ले तो अन्य नारी के साथ संभोग के परिणाम स्वरूप यौन संबंधी रोग अर्थात् यौन रोग का शिकार हों। ऐसी संभावना है।

आप अपनी वाचाल प्रवृत्ति के प्रभाव से किसी भी विषय पर अपना मंतव्य प्रकट कर देते हैं, जो आवश्यक नहीं है। यह प्रवृत्ति आपकी मेधावीपना की औसत से अधिक है। फिर भी सदैव ही आप बात-चीत कर के अपना मुंह बंद नहीं रखते लगातार बोलते ही रहते हैं, जो आपके संपर्क में आता है। वह आपको अधिक सामान्य व्यक्ति समझता है। आपको पूर्णरूपेण अधिकाधिक मदद करता है। आपकी मित्रमंडली आपके लाभ के लिए धन का भुगतान भी करते हैं। अर्थात् मित्र से आपको आर्थिक लाभ होता है।

आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हैं कि आप में नेतृत्व की क्षमता विद्यमान है तथा आप एक अच्छे नेता के गुणों से पूर्ण हैं। आप अपनी योजना के संबंध में किसी अन्य की विचारों का कोई महत्व नहीं देते, वास्तव में आप अपने ही विचारों और निर्णयों को सर्वोपरि समझते हैं। परंतु किसी-किसी विषय में आप भ्रमित होकर किसी अन्य उपाय को अपनाते हैं। परंतु आप बिना किसी बड़ी बाधाओं के भी पार कर लेते हैं। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि आप में पूर्ण आत्म शक्ति विद्यमान हैं, जिसके प्रभाव से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परंतु आप जब कोई जोखिम मोल लेंगे तब साधारण रूप से किसी प्रकार से घायल होने के प्रति सतर्कता बरतना होगा। विशेषतया दुर्घटना के कारण सिर में चोट न लगे, इसके लिए आपको पूर्णरूपेण सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि यह दुर्घटना संभाव्य है। यदि आप सतर्क रहें तो संभावित दुर्घटना से सुरक्षित रहेंगे। क्योंकि आप कम से कम समय बचा कर भी स्वास्थ्य रक्षा के लिए अत्यधिक उत्साहित एवं अभिलाषित रहते हैं। आपकी बुद्धि और शरीर किसी भी दबाव से स्थिर रहता है।

अतएव आपके लिए यह उचित है कि आप अपनी तनाव मुक्ति हेतु यथा संभव विश्राम प्राप्त कर यथेष्ट शयन करें। अन्यथा आप नस की गडबड़ी अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग से ग्रसित हो जाएंगे। आपके लिए यह पूर्व सूचना है कि आप स्वास्थ्य रक्षा के लिए सभी संभव उपाय करे अर्थात् सचेत रहें, तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह डॉक्टर से प्राप्त कर ही संयमित जीवन बिताएं। सामान्य स्वास्थ्य को उत्तम रखने के लिए आपको मद्य एवं मंसाहार से बच कर रहना चाहिए। आपको शाकाहारी भोजन का सेवन पर्याप्त मात्रा में करनी चाहिए। आप पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्ति संबंधी वार्तालाप करने में विश्वास रखते हैं तथा धन प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त करना चाहते हैं। आपको निम्नांकित निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक से आप आकर्षित हैं। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए लाल, स्वर्णिम एवं पीला रंग भाग्यशाली प्रमाणित होगा।